अमृत विचार

बरेली महानगर

बरेली, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

PAGE NO : III MIDDLE

नफरत का अंत प्रेम व अहिंसा से

• गांधी जयंती के उपलक्ष्य में रिद्धिमा में नाटक 'हमारे बापू' का मंचन

बरेली, अमृत विचार : रिद्धिमा में रविवार को गगनिक सांस्कृतिक समिति शाहजहांपुर ने 'हमारे बापू' नाटक का मंचन किया। राजेश कुमार लिखित व कप्तान सिंह 'कर्णधार' निर्देशित देश के विभाजन और दंगों की विभीषिका पर आधारित नाटक गांधीजी की विचारधारा 'नफरत का अंत केवल प्रेम और अहिंसा से हो सकता है' को सामने लाता है।

नाटक के मुख्य पात्र गांधीजी के अनुयायी पंडित तारकेश्वर पांडे हैं, जो दंगों में अपना इकलौता पुत्र खो देते हैं। वह गांधीजी के पास पहुंचते हैं, जो उस समय दंगों के खिलाफ अनशन पर बैठे हैं। गांधीजी उन्हें समझाते हैं कि प्रतिशोध का मार्ग छोड़कर यदि वह सचमुच शांति चाहते हैं तो एक मुस्लिम अनाथ बालक को गोद लेकर उसका पालन-पोषण, उसी धर्म-रीति से करें। तारकेश्वर आफताब को गोद ले लेते हैं। जब वह बड़ा होकर भटककर आतंकवाद की ओर जाता है, तब वह पिता की सीख को याद करता है और लौटकर क्षमा मांगता है। परंतु कट्टरपंथियों की गोली से बेटे को बचाने के लिए तारकेश्वर प्राण न्यौछावर कर देते हैं। उनके अंतिम शब्द गूंजते हैं 'नफरत की जड़ को केवल प्रेम ही काट सकते हैं। यही गांधी का सत्य है। गांधी की भूमिका संजीव राठौड और कप्तान सिंह ने तारकेश्वर की निभाई। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, सुभाष मेहता, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. रीता शर्मा मौजूद रहे।